



दीनदयाल बंदरगाह पर एक वशिष एवं यंत्रिकृत संचालन सुवधि

चर्चा में क्यों?

शपिंगि मंत्रालय की स्थायी वित्त समिति (Standing Finance Committee) ने कांडला स्थिति दीनदयाल बंदरगाह पर उर्वरक कार्गो के लिये एक वशिष एवं पूरण एकीकृत संचालन सुवधि स्थापति करने हेतु परयोजना को मंजूरी दी है। परयोजना के लिये नविदिा प्रक्रिया प्रगतपिर है। इस सुवधि या यूनटि के अक्टूबर 2020 तक चालू हो जाने की आशा है।

मुख्य तथ्य

- यह सुवधि अथवा यूनटि बंदरगाह संख्या 4 पर वकिसति की जाएगी, जिसका नरिमाण लगभग 138 करोड़ रुपए की लागत से कथिया जा रहा है।
- यह बंदरगाह अपने आंतरकि संसाधनों से परयोजना के लिये लगभग 340 करोड़ रुपए का और नविश करेगा।
- आरंभ में प्रस्तावति सुवधि अथवा यूनटि 2.60 एमएमटीपीए (Million Metric Tonne Per Annum- MMTPA) का संचालन करेगी और बाद में यह मात्रा बढ़ाकर 4.50 MMTPA कर दी जाएगी।
- प्रस्तावति परयोजना में बलक उर्वरक कार्गो को जहाज़ से नीचे उतारने से लेकर उर्वरक की बोरथियों को वैगनों पर चढ़ाने तक की समस्त गतविधियों पूरी तरह से यंत्रिकृत होंगी।
- उर्वरक कार्गो को जहाज़ों से नीचे उतारने का काम मोबाइल हॉपर पर लगी मोबाइल हारबर करने का इस्तेमाल करके संपन्न कथिया जाएगा।
- टपिर ससि्टम (tipper system) युक्त कन्वेयर ससि्टम (conveyor system) 38,500 वर्ग मीटर आकार के कार्गो भंडारण शेड में कार्गो का हस्तांतरण करेगा।

वर्तमान स्थिति

- मौजूदा समय में दीनदयाल बंदरगाह पर उर्वरक कार्गो के संचालन में कई तरह की गतविधियों पूरी करनी पड़ती हैं और इसके साथ ही कई एजेंसियों को इस काम में संलग्न होना पड़ता है।
- अतः यंत्रिकृत सुवधि से इसमें लगने वाला समय कम हो जाएगा और साथ ही अंतिम उपयोगकर्त्ताओं तक कार्गो की त्वरति डिलीवरी सुनिश्चित हो जाएगी। लागत एवं त्वरति डिलीवरी की दृष्टि से यह कसिानों के लिये फायदेमंद साबति होगी।

कांडला बंदरगाह

- यह एक समुद्री बंदरगाह है, जिसि कांडला बंदरगाह टरसट के नाम से भी जाना जाता है। यह देश के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है।
- यह भारत के पश्चिमी तट का एक बड़ा बंदरगाह है। वभिजन के बाद देश के पश्चिमी तट का सबसे बड़ा बंदरगाह 'कराची बंदरगाह' पाकसि्तान में चला गया, जिसके बाद 1950 में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में कांडला बंदरगाह का नरिमाण कथिया गया। इसका पूरा नरिंतरण भारत सरकार के जहाज़रानी मंत्रालय के हाथ में है।
- यह गुजरात राज्य के कच्छ की खाड़ी में अवस्थति एक ज्वारीय पत्तन है।
- 4 अक्टूबर, 2017 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रमिंडल द्वारा कांडला बंदरगाह का नाम परिवर्तति कर 'दीनदयाल बंदरगाह' कर दथिया गया।
- दीनदयाल बंदरगाह पाकसि्तान के कराची बंदरगाह से 256 समुद्री मील (दक्षणि-पूर्व में) एवं मुंबई बंदरगाह से 430 समुद्री मील (उत्तर-पश्चिमी में) की दूरी पर अवस्थति है।
- भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थति प्रमुख बंदरगाह-
 - ◆ दीनदयाल पोर्ट (कांडला, गुजरात)
 - ◆ मुंबई पोर्ट (महाराष्ट्र)
 - ◆ जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (नहावा शेवा, महाराष्ट्र)
 - ◆ मरमुगाओ (गोवा)
 - ◆ न्यू मंगलौर (कर्नाटक)
 - ◆ कोच्चि (केरल)
- भारत के पूर्वी तट पर अवस्थति प्रमुख बंदरगाह-
 - ◆ कोलकाता (प. बंगाल)
 - ◆ पारादीप (ओडिशा)

- ◆ वशिखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)
- ◆ एन्नौर (तमलिनाडु)
- ◆ चेन्नई (तमलिनाडु)
- ◆ तूतीकोरनि (तमलिनाडु)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/deendayal-port-in-kandla-to-have-an-exclusive-mechanized-facility-for-handling-fertilizer-cargo>

